तिरुवल्लुवर रचित थिरुक्कुरल से

அகழ்வாரைத் தாங்கும் நிலம்போலத் தம்மை இகழ்வார்ப் பொறுத்தல் தலை.(151)

अकलवारे तांगुम निलम्पोल तम्मै इकलवार पोरूत्तल तलै

नीच और हीन भाषा में बर्ताव करने वाले को उसी प्रकार बर्दाश्त करना जैसे धरती अपने खोदनेवाले को सहन करती है, सत् गुणों से भी महान है।

To bear with those who revile us, just as the earth bears up those who dig it, is the first of virtues.

பொறுத்தல் இறப்பினை என்றும் அதனை மறத்தல் அதனினும் நன்று.(152)

पोरुन्तल इरप्पीनै एन्नुम अतनै मरत्तल अतनिलुम नन्नु

हमारे ऊपर हुए अत्याचार को सहन कर लेना हमेशा अच्छा है। उन्हें भूल जाना और भी अच्छा है।

Bear with reproach even when you can retaliate; But to forget it will be still better than that.

இன்மையுள் இன்மை விருந்தொராால் வன்மையுள் வன்மை மடவார்ப் பொறை. (153)

इन नंयुल इन्मै विरुन्तोराल वन्मयुल वन्मै मटवार पोरै

आये हुए अतिथियों का सेवा न कर पाना अत्यधिक दयनीय दरिद्रता है। लेकिन जो बेवकूफों को स्थायी रूप से सहन करते हैं, वे सब से ताकतवर हैं।

To neglect hospitality is poverty of poverty. To bear with the ignorant is might of might.

நிறையுடைமை நீங்காமை வேண்டின் பொறையுடைமைபோற்றி யொழுகப் படும். (154)

निरैयुडमै नींगामै वेन्टिन पोरयुडमै पोट्टी योलुकप्पडुम

अगर आप एक स्थाई और परिपूर्ण जीवन बिताना चाहते हैं तो आप को सहनशीलता का अभ्यास करना और उस को कायम रखना पड़ेगा।

If you desire that the greatness should never leave, You preserve in your conduct the exercise of patience.

ஒறுத்தாரை ஒன்றாக வையாரே வைப்பர் பொறுத்தாரைப் பொன்போற் பொதிந்து. (155)

ओरुत्तारै ओन्राक वैयारे वैपंपर पोरुत्तारै पोनपोर पोतिन्त

औरों को प्रतिशोध से घायल करने वाला मूल्यहीन है। लेकिन जो सहनशील है, वह बहुमूल्य खजाना है।

The wise will not at all esteem the resentful. They will esteem the Patient just as the gold which they lay up with care.

थिरुक्कुरल, तमिल भाषा का एक प्रतिष्ठित काव्य ग्रंथ है जिसमें नैतिकता और मानव मूल्यों पर आधरित 1,330 लघु दोहे शामिल हैं। इसकी रचना का श्रेय पारंपरिक रूप से तिरुवल्लुवर को जाता है। अहिंसा की नींव पर लिखे गए इस महान ग्रंथ को "तमिल वेद" और "दिव्य पुस्तक" जैसे वैकल्पिक शीर्षकों से भी नवाजा गया है।